मंगल पांडे का 160वां बलिदान दिवस मनाया

8 अप्रैल 2017 दिन शनिवार को अखिल भारतीय लोधी राजपूत टेलीफोन डायरेक्टरी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में आजादी की पहली क्रांति के नायक शहीद मंगल पांडे को देह्तोरा ग्राम मैं याद किया गया। आयोजित कार्यक्रम में शहीद मंगल पांडे के 160वें शहीदी दिवस पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर अखिल भारतीय लोधी राजपूत टेलीफोन डायरेक्टरी के सम्पादक मानसिंह राजपूत एडवोकेट ने कहा कि आज युवा मंगल पांडे की शहादत व उनकी जलाई गई क्रांति की ज्वाला के महत्व को भूलते जा रहे है। मंगल पांडे की प्रज्वलित चिंगारी ही आगे चलकर देश में स्वतंत्रता आंदोलन की आग बनी और देश आजाद हो सका।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय लोधी राजपूत टेलीफोन डायरेक्टरी के उपसम्पादक ब्रहमानंद राजपूत ने कहा कि स्कूली पाठ्यक्रम में विस्तृत रूप से मंगल पांडे के जीवन के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए ताकि बच्चों को उनके कार्य व महत्व की जानकारी हो सके। इसके अलावा उन्होने कहा कि भारतीय स्वाधीनता संग्राम में मंगल पांडे का नाम अग्रणी योद्धाओं के रूप में लिया जाता है जिनके द्वारा भडकाई गई क्रांति की ज्वाला से ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन बुरी तरह हिल गया था। अंत में उन्होंने कहा कि शहीद मंगल पांडे को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, यदि हम उनके बताये गये रास्ते पर चलकर, शोषण और अन्याय से मुक्त समाज की स्थापना कर सकें, देश में मजदूरों, किसानों, औरतों और नौजवानों का राज कायम कर सकें।

कार्यक्रम का संचालन पवन राजपूत ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अरबसिंह राजपूत, प्रभाव सिंह, धारा राजपूत, दुष्यंत लोधी, मोरध्वज राजपूत, नीतेश, राकेश, विष्णु लोधी, दीपक, मुकेश, लोकेश, दिनेश, जीतेन्द्र,राजवीर आदि उपस्थित थे।